an>

Title: Need to ban chewing tobacco in the country.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं। पूरे विश्व में और हमारे देश में तम्बाकू एक ऐसा मीठा जहर है, जिसके सेवन से प्रति वर्ष लगभग दस लाख लोग कैंसर जैसे खतरनाक रोग के शिकार होकर मृत्यु की गोद में समा जाते हैं। जी.ए.टी.एस 2010 के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में करीब 27 करोड़ लोग तम्बाकू का सेवन करते हैं और इनमें से करीब एक-तिहाई लोगों की असमय मृत्यु हो जाती है। इन दिनों चबाने वाला तम्बाकू काफी प्रचलन में है और ऐसे तम्बाकू का अपने देश में करीब 21 करोड़ लोग सेवन करते हैं। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार पूरे विश्व में चबाने वाले तम्बाकू से 90 परसैन्ट लोग मुख कैंसर से पीड़ित हो जाते हैं और जिसमें अधिकांश संख्या भारत में है। आज का युवा वर्ग विशेषकर चमकीले और सुगंधयुक्त पाउच का तम्बाकू खाने का काम करते हैं।

मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि भारत सरकार अविलम्ब इस पर प्रतिबंध लगाये। कई राज्यों ने इस पर प्रतिबंध लगाया है। मैंने स्वयं बिहार में गांव में जन चेतना स्वास्थ्य यात्रा चलाकर तीन सात तक इस अभियान को चलाया था, जिसमें बहुत सफलता मिली थी। बिहार में इस पर प्रतिबंध लगा है, अन्य कई राज्यों में भी इस पर प्रतिबंध है। बिहार के अलावा मणिपुर, आंध्र प्रदेश, असम और पंजाब आदि राज्यों में इस पर प्रतिबंध है। मैं भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि अन्य राज्यों में भी इस पर प्रतिबंध लगे और प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि स्कूलों और कालेजों के सामने कोई भी तम्बाकू आदि के प्रकार की कोई दुकान नहीं होनी चाहिए। आज धड़ल्ले के साथ इसकी बिक्री हो रही है। अतः सरकार को इस पर शीघ्र प्रतिबंध लगाना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री अर्जुन मेघवाल,

डा.किरीट सोलंकी,

श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह और

*m05 श्रीमती ज्योति धुर्वे को श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।